

**Demand for setting up Solar Thermal Station in
Telangana to run agriculture pump-sets**

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY (Telangana): Sir, solar power is green power and we have the advantage of having sunlight for 300 out of 365 days. But, if you look at generation, including in Telangana, it is negligible.

I welcome the thrust and importance given by the Finance Minister on solar energy in this year's Budget, and the proposal to take up Ultra Mega Solar Power Projects on the lines of UMPP and allocation of ₹ 500 crores, as also ₹ 400 crores for agriculture pump sets driven by solar power.

Taking a cue from the Finance Minister's proposal to give thrust on agriculture pump sets driven by solar power, I have a proposal for consideration of the Minister for New and Renewable Energy of Telangana.

We can construct 2 MW solar thermal stations, one in every Mandal, every year for the next five years. We have 450 Mandals in Telangana. It would cost ₹ 5,400 crores annually. Each plant can run 800 pump sets. So, in a year, 3.60 lakh pump sets can be energized through solar power. Thus, almost all pump sets in Telangana can be shifted to solar power. And, the benefits are that farmers can use these pump sets throughout the day. Also, the present 25 per cent transmission and distribution losses can be prevented and the State Government could save crores of subsidy given to farmers in the form of free power.

So, I request the Government of India to look into this seriously as it would be a win-win situation for both the farmers and the State.

SHRI ANANDABHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

**Demand for upgrading the Baba Raghav Das Medical
College, Gorakhpur, Uttar Pradesh**

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, उत्तर प्रदेश में स्थित कुछ मेडिकल कालेजों एवं अस्पतालों के अपग्रेडेशन के संबंध में पूर्व केन्द्र सरकार द्वारा निर्णय लिया गया था, जो अभी लम्बित है। इस संबंध में वर्तमान सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि PMSSY के तहत बाबा राघव दास, गोरखपुर मेडिकल कालेज का उन्नयन दूसरे चरण में किया जाएगा।

महोदय, इस क्षेत्र में कोई और इस प्रकार का बड़ा मेडिकल कालेज नहीं है, जहां मरीज इलाज करा सकें। इस मेडिकल कालेज में मरीजों का दवाब अत्यधिक है। गोरखपुर के बाद अच्छा अस्पताल लखनऊ से पहले नहीं है तथा गोरखपुर से लखनऊ की दूरी 280 किलोमीटर है। मैं यह भी बताना चाहती हूँ कि इस मेडिकल कालेज में बिहार से लेकर नेपाल तक के मरीज इलाज कराने आते हैं।

सरकार इस बात से भी अवगत है कि इसी क्षेत्र में लगभग तीन दशक से जापानी बुखार, इन्सेफलाइटिस बीमारी से हजारों लोगों की असमय मौत हो चुकी है तथा इससे कहीं अधिक लोग विकलांग हुए हैं। अब यह बीमारी देश के तकरीबन 17 राज्यों में फैल चुकी है।

इसलिए मेरी मांग है कि सरकार बाबा राघव दास, गोरखपुर मेडिकल कालेज का अपग्रेडेशन प्रथम चरण में करवाए जिससे मरीजों का इलाज प्रभावित न हो मरीज उच्च गुणवत्ता के अस्पताल में इलाज करवा कर स्वास्थ्य लाभ उठा सकें। धन्यवाद।

**Need to transfer Railway Headquarters of
Western Railways to Ahmedabad**

श्री लाल सिंह वडोदिया (गुजरात) : महोदय, ऐसा लगता है कि जब देश में रेलवे के जोनों और उनके मुख्यालयों की स्थापना की गई, तो उस समय लोगों की सुविधाओं और मुख्यालयों की दूरी पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। यही कारण है कि आज मुख्यालयों को बदलने की मांग अनेक स्थानों पर की जा रही है। पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय भी इससे अछूता नहीं है। पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय मुंबई में स्थित है। इसमें गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा आते हैं। गुजरात राज्य में बड़ोदरा, राजकोट, भावनगर और अहमदाबाद डिविजन आती हैं। इससे स्पष्ट है कि पश्चिमी रेलवे में आधे से अधिक डिविजन गुजरात राज्य में स्थित हैं, फिर भी पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय गुजरात राज्य में न बनाकर मुंबई में बनाया गया। इसे किसी भी प्रकार उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इन डिविजनों को मुंबई न जाना पड़े, इसलिए अहमदाबाद को पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय बनाने की मांग बराबर की जा रही है, क्योंकि गुजरात राज्य में स्थित चारों डिविजनों के मध्य में अहमदाबाद स्थित है। इससे सभी को आने-जाने में सुविधा होगी। मेरे विचार से भी उक्त सभी बातों को देखते हुए पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय-अहमदाबाद में बनाना सर्वथा उचित होगा।

अतः मेरा माननीय रेल मंत्री जी से विशेष अनुरोध है कि जनभावनाओं का आदर करते हुए और लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए, पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय अहमदाबाद में बनाने के निर्देश जारी करने की कृपा करें, ताकि जनभावनाओं का सम्मान हो सके और सभी डिविजनों का इसका लाभ मिल सके।

**Need to sanction special funds for construction of additional court buildings,
libraries and canteens in district court premises in Tamil Nadu**

SHRI PAUL MANOJ PANDIAN (Tamil Nadu) : Sir, I wish to bring to the notice of the House that the court buildings in the State of Tamil Nadu need additional infrastructure by way of construction of additional court buildings, chambers for advocates, libraries and canteens for the advocates.

There are a number of District Courts, Magistrate Courts, *Munsif* Courts in the State of Tamil Nadu which need additional facilities and as such special financial assistance is necessary from the Central Government for the purpose of construction of court buildings, chambers for advocates, libraries and canteens for advocates practising in the State of Tamil Nadu.

For example, in the Tirunelveli District Court premises, the advocates do not have chambers to meet their clients and additional buildings for the court and library have become absolutely essential. In the same way, the advocates of all districts in the State of